Bareilly, Monday,
7 August 2023
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

Page No : 04 Middle

'तख्त के लिए दारा और औरंगजेब में जंग'

रिद्धिमा में इंदिरा पार्थसारथीकृत नाटक का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (6 Aug): एसआरएमएस रिद्धिमा में संडे को इंदिरा पार्थसारथी कृत व शाहिद अनवर द्वारा अनुवादित नाटक तख्त का मंचन अखिलेश नारायण के निर्देशन में किया गया. नाटक मुगल शासन के उस दौर को पेश करता है, जब वर्ष 1657 में शाहजहां बड़े बेटे दारा शिकोह को बादशाह बनाने का एलान करता है. वह बेटे से वादा कराता है कि ताजमहल की तर्ज पर स्याह महल बनवाएगा. दारा पिता के स्नेह में वादा तो कर लेता है, लेकिन हर कोई स्याह महल के विरोध में होता है. शाहजहां जब बीमार पड़ने लगा तो उसके चारों बेटे दारा, शुजा, मुराद व औरंगजेब के बीच तख्त पाने की जंग शुरू हो जाती है. इसमें असली जंग दारा व औरंगजेब के बीच थी. यह जंग तख्त ही नहीं ख्वाबों व विचारों की भी थी. शाहजहां की दो बेटियों में जहांआरा दारा के साथ तो रोशनआरा औरंगजेब के साथ थी. बेटों के दांवपेच, संबंध, सत्ता संघर्ष, रंजिश व साजिश के बीच शाहजहां खुद से जंग करता नजर आता है. औरंगजेब व दारा की फौज के बीच हुई जंग में दारा की शिकस्त होती है. औरंगजेब तख्त हथिया लेता है और शाहजहां व जहांआरा को बंदी बना लेता है. औरंगजेब से बचने के लिए दारा मलिक जीवन से मदद मांगता है, ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता आदि उपस्थित रहे.

● कलाकारों ने अभिनय से मोह लिया मन.